हिन्दुस्तान एकता

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

सूर्यास्त 07:28 | सूर्योदय 05:25
तापमान
अधिकतम 42° | न्यूनतम 34°

वर्ष: 07 | अंक: 16 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹1.00

info@hindustanekta.com

कैथल, वीरवार 25 जून, 2026

RNI-HRHIN/26/A1127

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे

वॉट्सएप्प कर सकते हैं
9499422208
हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

सारसा के सेवानिवृत्त फौजी बने मिसाल 150 बच्चों को फ्री दे रहे हैंडबॉल की ट्रेनिंग

21 खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होकर जीत चुके पदक

4 साल पहले 11 बच्चों को खिलाने से की थी शुरुआत

हिन्दुस्तान एकता » पिहोवा

भारतीय सेना से सेवानिवृत्त पिहोवा के गांव सारसा के राजेंद्र कुमार पूरे क्षेत्र के लिए मिसाल बन गए हैं। सेवानिवृत्ति के बाद राजेंद्र कुमार ने बच्चों को मोबाइल और नशे से दूर रखने और खेलों में आगे बढ़ाने का फैसला लिया। इसके लिए उन्होंने 4 साल पहले 2022 में गांव के 11 बच्चों को फ्री हैंडबॉल खिलाने से शुरूआत की। शुरूआत में केवल लड़के ट्रेनिंग के लिए आते थे। लेकिन धीरे-धीरे लड़कियां भी खेलने के लिए घरों से बाहर निकलने लगी। अब चार साल बाद 150 बच्चे सुबह-शाम हैंडबॉल की ट्रेनिंग करते हैं। जिसमें लड़कियां भी बराबर की भागीदार हैं। हालांकि शुरूआत में राजेंद्र कुमार को लड़कियों को खिलाने को लेकर विरोध का सामना भी करना पड़ा। लेकिन जब बेटियों ने अपने खेल के दम पर आगे बढ़कर पदक जीतना शुरू किए तो विरोध करने वाले भी अब राजेंद्र कुमार और लड़कियों की पीठ थपथपा रहे हैं। इतना ही नहीं जिस बच्चे के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उन बच्चों को राजेंद्र कुमार खेल किट और जरूरी सामान भी निशुल्क मुहैया कराते हैं।

आसपास के गांवों के बच्चे भी आते हैं खेलने... शुरू में गांव के 11 बच्चों के साथ फ्री हैंडबॉल अकादमी शुरू की थी और अब आसपास के गांवों से भी बच्चे हैंडबॉल की प्रैक्टिस के लिए पहुंचते हैं। वर्तमान में 150 से अधिक बच्चे रोजाना ट्रेनिंग ले रहे हैं। राजेंद्र कुमार ने बताया कि शुरू के दो साल तक उन्होंने अकादमी को अपने बलबूते ही चलाया। इसके बाद प्रदेश सरकार की खेल नीति के तहत उन्हें हैंडबॉल की नर्सरी मिल गई। जिसके तहत 25 लड़के और लड़कियों की डाइट का पैसा और उनके लिए संसाधन भी सरकार की ओर से उपलब्ध करवाए जाते हैं।

-प्रदेश स्तर पर 21 खिलाड़ी जीत चुके पदक... राजेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर लड़कियों के पहनावे और उनके खेलने को लेकर संकीर्ण सोच होती है। शुरुआत में उन्हें भी विरोध का सामना करना पड़ा था। लेकिन जब उनके तैयार किए 21 लड़के और लड़कियों ने प्रदेश स्तर पर अंडर-11, अंडर-14, अंडर-16 और अंडर-19 वर्ग में पदक जीते तो अब सभी सराहना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब पूरा गांव बेटियों पर गर्व कर रहा है। राजेंद्र कुमार ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल खिलाड़ी बनाना नहीं बल्कि बच्चों को नशे की लत से दूर रखना भी है। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए जूते, ड्रेस और उपकरणों का खर्च वो खुद और गांव के युवा संगठन और समाजसेवी मिलकर उठा रहे हैं।

बेहतर स्टेडियम की है दरकार... राजेंद्र कुमार ने बताया कि गांव में एक अच्छा स्टेडियम और आधुनिक सुविधाएं मिल जाएं, तो राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं। इसकी डिमांड उन्होंने पंचायत के सामने भी रखी है। वहीं राजेंद्र के साथी हैंडबॉल खिलाड़ी संजय भी उनके साथ जुड़कर अब बच्चों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं।

8 साल से ऊपर के बच्चों को देते हैं ट्रेनिंग

हैंडबॉल कोच संजय ने बताया कि 8 साल से अधिक की उम्र के लड़के व लड़कियों को ट्रेनिंग देने का काम किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में खासकर उनके एरिया में कोई एकेडमी नहीं है। जिसके कारण पहले खेलों को लेकर रुझान बहुत कम था। वहीं अब जब से यह अकादमी शुरू हुई है तब से सुबह-शाम मैदान में खेलने वाले बच्चों की रौनक लगी रहती है। संजय ने बताया कि उनकी बेटी भी इस अकादमी में खेलने के लिए आती है वहीं कोच राजेंद्र का बेटा भी इस अकादमी में प्रशिक्षण ले रहा है।

सोशल मीडिया पर परफेक्ट लव स्टोरी

हकीकत में मंगेतर की हत्या का आरोप: पुणे की सिया गोयल गिरफ्तार

पुणे » पुणे में 20 वर्षीय सिया गोयल पर अपने मंगेतर केतन अग्रवाल (26) की हत्या की साजिश रचने और अपने कथित बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी (22) के साथ मिलकर उसे लोहगढ़ किले से खाई में धक्का देने का आरोप लगा है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर हत्या और आपराधिक साजिश के आरोप में मामला दर्ज किया है।

सोशल मीडिया पर सिया और केतन की जोड़ी एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी दिखाई देती थी। दोनों नवंबर में शादी करने वाले थे और सगाई के बाद लगातार रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो साझा कर रहे थे। लेकिन जांच में सामने आया कि सिया कथित तौर पर चेतन के साथ रिश्ते में थी और इसी वजह से उसने केतन को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। फरवरी में सगाई के बाद सिया ने इंस्टाग्राम पर केतन के साथ कई रोमांटिक पोस्ट साझा किए थे। एक पोस्ट में उसने लिखा था, मेरे दिल को उसका घर मिले एक महीना पूरा हुआ। मई में केतन ने फूलों से सजी कार के जरिए सिया को सरप्राइज दिया था। इसका वीडियो शेयर करते हुए सिया ने लिखा था, उसने 'पसंद है तुम्हें' वाली बात को बहुत सीरियसली ले लिया। इसके अलावा उसने केतन की तस्वीर को दैट स्माइल कैप्शन के साथ भी पोस्ट किया था। दोनों की शादी और प्री-वेडिंग तैयारियां भी सोशल मीडिया पर नजर आ रही थीं।

18 जून को ट्रैकिंग के बहाने लोहगढ़ किला ले गई

पुलिस के अनुसार, 18 जून को सिया केतन को ट्रैकिंग के बहाने पुणे के लोहगढ़ किले पर लेकर गई। वहां करीब 400 फीट गहरी खाई में गिरने से केतन की मौत हो गई। शुरुआत में सिया ने पुलिस को बताया कि केतन का पैर फिसल गया था और यह एक हादसा था। इसी आधार पर पुलिस ने पहले दुर्घटना का मामला दर्ज किया था। हालांकि बाद की जांच में मामला हत्या की ओर मुड़ गया।

33° तापमान में हुडी पहनना बना सबसे बड़ा सुराग...

जांच के दौरान टिकट काउंटर के सीसीटीवी फुटेज में केतन और सिया के पीछे एक युवक दिखाई दिया। उसने शॉर्ट्स और हुडी पहन रखी थी तथा चेहरा छिपाने की कोशिश की थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, फुटेज में एक जगह सिया पीछे मुड़कर देखती है और उसी समय वह युवक अचानक बैठ जाता है। जांच में पता चला कि उस दिन तापमान करीब 33 डिग्री सेल्सियस था। इतनी गर्मी में हुडी पहनना पुलिस को संदिग्ध लगा। बाद में पुलिस ने उस युवक की पहचान चेतन चौधरी के रूप में की।

न्यूज ब्रीफ

हाई अलर्ट पर असम, अरुणाचल में भारी बारिश के बाद आई डरावनी बाढ़

नई दिल्ली » अरुणाचल प्रदेश में हुई मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद असम में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। राज्य सरकार ने हालात पर नजर रखते हुए उन जिलों को अलर्ट पर रखा है, जहां आने वाले दिनों में ब्रह्मपुत्र नदी और उसकी सहायक नदियों के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी की आशंका है। असम सरकार के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी जिले में अत्यधिक भारी बारिश और फ्लैश फ्लड का असर अब असम के कई इलाकों पर पड़ सकता है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र गुवाहाटी और मौसम विज्ञान केंद्र, ईटानगर से मिली जानकारी के अनुसार, लोअर सुबनसिरी जिले के याजाली स्टेशन पर पिछले 24 घंटे में करीब 72.8 मिमी बारिश दर्ज की गई।

शेयर ऑटो में बैडटच को कार्यस्थल में उत्पीड़न नहीं माना जा सकता: बंबई हाईकोर्ट

नई दिल्ली » बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि नौकरी पर आने-जाने के लिए इस्तेमाल किया गया साझा ऑटो-रिक्शा, (कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकथाम) कानून के तहत कार्यस्थल नहीं माना जा सकता, जब तक कि वह वाहन नियोक्ता द्वारा उपलब्ध न कराया गया हो। भारतीय स्टेट बैंक का एक कर्मचारी 24 मार्च 2023 को साझा ऑटो-रिक्शा से अपने कार्यालय जा रहा था। उसी ऑटो में एक महिला कर्मचारी भी सफर कर रही थीं। यात्रा के दौरान दोनों के बीच कथित शारीरिक संपर्क को लेकर विवाद हो गया। जिसके के बाद यह मामला कोर्ट पहुंचा। महिला कर्मचारी ने पुरुष कर्मचारी पर जानबूझकर अनुचित शारीरिक संपर्क का आरोप लगाया था।

पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी

कैथल के 95 हजार 797 किसानों के खातों में पहुंचे 19.16 करोड़ रु.

कैथल » कृषि विज्ञान केंद्र में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम में चीनी मिल कैथल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार मुख्य अतिथि रहे।

इस अवसर पर बताया गया कि योजना के तहत कैथल जिले के 95,797 किसानों के खातों में 19.16 करोड़ रुपये की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी गई है। उप कृषि निदेशक डॉ. रविंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि योजना शुरू होने से अब तक जिले के किसानों को 483.80 करोड़ रुपये का लाभ मिल चुका है। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती, धान की सीधी बिजाई, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा योजना और फसल अवशेष प्रबंधन योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने किसानों से एग्रीस्टैक आईडी बनवाने और सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

आप छोड़ने के बाद राघव चड्ढा की पंजाब वापसी

कैथल » राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को पंजाब का दौरा किया। अप्रैल में आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद यह उनका पहला पंजाब दौरा था। उन्होंने लुधियाना में भाजपा की एक अहम बैठक में हिस्सा लिया, जिसकी अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने की थी। इस बैठक का मकसद 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाना था। चड्ढा ने एक और सांसद राजिंदर गुप्ता के साथ बैठक में भाग लिया। गुप्ता ने भी आप छोड़कर भाजपा का दामन थामा था।

योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने का लिया नया संकल्प

योग को बनाएं जीवनशैली का हिस्सा: जठेड़ी

हिन्दुस्तान एकता » सोनीपत

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सुस्थिति वेलफेयर फाउंडेशन ने जठेड़ी ग्राम पंचायत में योग दिवस का 12वां संस्करण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राई हलके के वाइस चेयरमैन एवं डिप्टी चेयरमैन परमजीत जठेड़ी उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 215 से अधिक लोगों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में कॉमन योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विभिन्न योगासन किए। फाउंडेशन की ओर से प्रतिभागियों को टी-शर्ट भी वितरित की गईं।

परमजीत जठेड़ी ने योग को स्वस्थ जीवन की कुंजी बताते हुए इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। वहीं, फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉ. अर्चना घायल ने योग को मुफ्त बीमा बताते हुए इसके स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्था योग, महिला एवं बाल सशक्तिकरण तथा मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

सांसद नवीन जिंदल के प्रयास से अरनैचा-असमानपुर में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

58 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच, निशुल्क लैब टेस्ट व दवाइयों का किया गया वितरण

हिन्दुस्तान एकता » पिहोवा

सांसद नवीन जिंदल के प्रयासों से गांव असमानपुर और अरनैचा में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ निशुल्क लैब टेस्ट किए गए तथा जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं।

डॉ. पूर्ण मल के नेतृत्व में नवीन जिंदल फाउंडेशन की टीम ने शिविर के माध्यम से 58 लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को विभिन्न बीमारियों से बचाव, नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति भी जागरूक किया। इस अवसर पर सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, किसानों को नई कृषि तकनीकों से जोड़ने और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए भी लगातार कार्य कर रहे हैं।

अपनी कुर्सी से चिपके हैं धर्मेंद्र प्रधान, खड़गे का शिक्षा मंत्री पर हमला

कैथल » कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर NEET पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज़ उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाया। X पर एक पोस्ट में, खड़गे ने दावा किया कि सरकार के कार्यकाल के दौरान ₹90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है।

सिविल सर्जन डॉ. रेनू चावला ने किया जिला नागरिक अस्पताल का निरीक्षण

कलासो देवी » कैथल

भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ. रेनू चावला ने जिला नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए खराब एसी और कूलरों को तुरंत ठीक कराने तथा नियमित पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि मरीजों के परिजनों के लिए अस्पताल में नया वातानुकूलित वेटिंग हॉल शुरू किया गया है। साथ ही बच्चों के अत्याधुनिक आईसीयू को जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू करने की जानकारी भी दी।

मुंबई में मानसून की धमाकेदार बारिश के बाद 'ओरेंज अलर्ट' जारी

कैथल » मुंबईवासियों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने अपनी सामान्य तिथि से 13 दिन की देरी से मंगलवार को मुंबई में दस्तक दे दी। मानसून के आगमन के साथ ही मुंबई, ठाणे और पालघर में रातभर मूसलाधार बारिश हुई। भारी बारिश को देखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग ने क्षेत्र में अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि रातभर बारिश के बीच शहर के सभी प्रमुख उपमार्ग खुले रहे और यातायात भी काफी हद तक सुचारू रहा। मौसम विभाग ने बुधवार तड़के चार बजे मुंबई और पालघर के लिए तीन घंटे का 'रेड अलर्ट' जारी किया था।

सुबह कपाट खुलते ही मिला अद्भुत दृश्य, कुछ देर बाद खेतों की ओर चला गया नाग

संगमेश्वर महादेव मंदिर में शिवलिंग पर लिपटा दिखा नाग, उमड़ी भीड़

हिन्दुस्तान एकता » पिहोवा

पिहोवा के प्रसिद्ध संगमेश्वर महादेव मंदिर, अरुणाय में सोमवार सुबह श्रद्धालुओं और मंदिर प्रबंधन ने एक अद्भुत दृश्य देखा। मंदिर के गर्भगृह में स्थित शिवलिंग पर एक काला नाग फन फैलाकर लिपटा हुआ दिखाई दिया। यह दृश्य देखते ही मंदिर परिसर में कौतूहल का माहौल बन गया और सूचना मिलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन के लिए उमड़ पड़ी।

मंदिर सेवादल के प्रबंधक भूषण गौतम ने बताया कि प्रतिदिन की तरह सुबह करीब साढ़े तीन बजे पुजारी और सेवादार मंदिर के कपाट खोलने पहुंचे। भगवान शिव को ओढ़ाए गए कंबल में हलचल दिखाई देने पर जब सावधानीपूर्वक कंबल हटाया गया तो शिवलिंग पर एक काला नाग लिपटा मिला। सुरक्षा के मद्देनजर मंदिर का मुख्य द्वार कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। बाद में नाग स्वयं गर्भगृह से निकलकर मंदिर की सीढ़ियों से होते हुए पीछे खेतों की ओर चला गया।

नाग के जाने के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचने लगे। कई श्रद्धालुओं और सेवादारों ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने मोबाइल फोन में भी कैद किया।

मंदिर का धार्मिक महत्व...

- संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणा और सरस्वती नदी के संगम पर स्थित है।
- मान्यता है कि यहां भगवान शिव स्वयंभू शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे।
- मंदिर इतिहास के अनुसार महात्मा गणेश गिरि को यहां दिव्य शिवलिंग के दर्शन हुए थे।
- श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां नागों का आगमन समय-समय पर होता रहता है और आज तक किसी को नुकसान नहीं पहुंचा।
- पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार इसी स्थान पर भगवान शिव की कृपा से सरस्वती नदी को विश्वामित्र के श्राप से मुक्ति मिली थी।

जन सेवा का संकल्प लेकर निकले सांसद नवीन जिंदल का कदम मिला कर देंगे साथ: जिलाध्यक्ष

हिन्दुस्तान एकता » कुरुक्षेत्र

भाजपा के नव नियुक्त कार्यकारी जिलाध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल अपने संसदीय क्षेत्र के प्रति मिली जिम्मेदारी को बखूबी निभा रहे हैं। देश का शायद ऐसा पहले सांसद होगा जिसने प्रत्येक वर्ग के लिए इतनी योजनाएं चलाई हुई है कि उन्हें उंगली पर गिनवाना भी मुश्किल है। रमेश सैनी मोहन नगर में सांसद नवीन जिंदल के कार्यालय जिंदल हाउस में पहुंचे थे जहां उनका भव्य अभिनंदन किया गया। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सैनी और पूर्व जिलाध्यक्ष राज कुमार सैनी को तिरंगा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने नवीन जिंदल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना का भी पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर विनोद गर्ग, रोहित गुप्ता, सुरेश राणा, हरफूल कसेरला, नरेंद्र , सुभाष बारना, बलविंदर सिंह, भूषण मंगला, डॉ.राज कुमार, आकाश राणा, अंकित गर्ग सहित अन्य मौजूद रहे।

सुविचार

"मुश्किलें केवल उन्हीं के हिस्से में आती हैं, जो बेहतरीन काम करने की काबिलियत रखते हैं।"

संपादकीय

बुजुर्गों का अकेलापन: बदलते परिवारों की नई चुनौती...

भारतीय संस्कृति में सदैव बुजुर्गों को सम्मान, अनुभव और मार्गदर्शन का प्रतीक माना गया है। संयुक्त परिवार व्यवस्था में दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की धुरी होते थे। उनके अनुभवों से परिवार को दिशा मिलती थी और उनकी उपस्थिति घर में अपनापन तथा सुरक्षा का भाव पैदा करती थी। किंतु बदलती जीवन शैली, शहरीकरण और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने पारिवारिक संरचना को बदल दिया है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव बुजुर्गों पर पड़ा है, जो आज अकेलेपन की गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं।

वर्तमान समय में शिक्षा, रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में युवा अपने घरों और शहरों से दूर जा रहे हैं। अनेक परिवारों में माता-पिता गाँव या अपने पुराने घरों में रह जाते हैं, जबकि बच्चे महानगरों या विदेशों में बस जाते हैं। भौतिक सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद बुजुर्ग भावनात्मक रूप से स्वयं को अकेला महसूस करते हैं। उनके पास बात करने, अपनी भावनाएँ साझा करने और समय बिताने वाला कोई नहीं होता। यह स्थिति धीरे-धीरे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

अकेलापन केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चुनौती भी है। लंबे समय तक अकेले रहने वाले बुजुर्गों में अवसाद, चिंता, अनिद्रा और स्मृति संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। कई बार वे स्वयं को परिवार पर बोझ समझने लगते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और जीवन के प्रति उत्साह कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सामाजिक अलगाव और अकेलापन वृद्ध व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

तकनीक के विकास ने जहां लोगों को जोड़ने का कार्य किया है, वहीं पीढ़ियों के बीच दूरी भी बढ़ाई है। युवा पीढ़ी डिजिटल माध्यमों में व्यस्त रहती है, जबकि अनेक बुजुर्ग इन तकनीकों से सहज नहीं हो पाते। परिणामस्वरूप एक ही घर में रहते हुए भी संवाद की कमी दिखाई देती है। परिवार के सदस्यों के पास समय का अभाव और व्यस्त जीवनशैली भी बुजुर्गों के अकेलेपन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बुजुर्गों का अकेलापन केवल परिवार की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। इस चुनौती से निपटने के लिए परिवारों को अपने बुजुर्गों के साथ अधिक समय बिताने का प्रयास करना चाहिए।

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड: क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा सिर्फ खबर बनकर रह जाएगी?

डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि, सामाजिक विचारक एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

लखनऊ में हुए हालिया कोचिंग अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। धुएँ से घिरी इमारतें, चीखते-बिलखते विद्यार्थी, घबराए हुए अभिभावक और राहत-बचाव दलों की भागदौड़—ये दृश्य केवल एक दुर्घटना की तस्वीर नहीं हैं, बल्कि हमारी व्यवस्था की उन कमजोरियों का आईना हैं जिन्हें हम वर्षों से अनदेखा करते आ रहे हैं। हर बार किसी बड़े हादसे के बाद कुछ दिनों तक शोक, संवेदना और आक्रोश दिखाई देता है, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा केवल कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाएगी? क्या हम तब तक जागेंगे नहीं, जब तक अगली त्रासदी किसी और शहर में, किसी और कोचिंग संस्थान या हॉस्टल में घटित नहीं हो जाती?

आज भारत में लाखों विद्यार्थी अपने घरों से दूर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। कोटा, दिल्ली, लखनऊ, प्रयागराज, पटना, जयपुर और चंडीगढ़ जैसे शहर शिक्षा के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अभिभावक अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें इन संस्थानों में भेजते हैं। वे फीस भरते हैं, हॉस्टल का खर्च उठाते हैं और यह भरोसा करते हैं कि जहां उनका बच्चा पढ़ रहा है, वहां उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। दुर्भाग्य से यह भरोसा कई बार टूट जाता है।

ऐसे हादसे अचानक नहीं होते। इनके पीछे वर्षों की लापरवाही, नियमों की अनदेखी और जवाबदेही की कमी होती है। जब किसी इमारत में पर्याप्त आपातकालीन निकास नहीं होते, जब बिजली की वायरिंग मानकों के अनुरूप नहीं होती, जब फायर एक्सटिंग्विशर केवल दिखावे के लिए लगाए जाते हैं, जब भवन निर्माण नियमों को ताक पर रखकर व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जाती हैं, तब किसी भी दिन एक छोटी-सी चिंगारी बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती है। इस घटना के बाद सबसे पहला प्रश्न अभिभावकों को स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने कभी अपने बच्चे के कोचिंग संस्थान, हॉस्टल या पीजी की सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक जांच की है? अक्सर हम संस्थान की प्रतिष्ठा, परिणाम और सुविधाओं के बारे में पूछते हैं, लेकिन सुरक्षा संबंधी प्रश्नों को नजरअंदाज कर देते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी होगी। बच्चे के भविष्य जितना महत्वपूर्ण है, उसका जीवन और सुरक्षा उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को सबसे पहले आपातकालीन निकास की स्थिति की जांच करनी चाहिए। किसी भी भवन में आग लगने की स्थिति में सुरक्षित निकास जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

हिंदुस्तान एकता कार्यालय

प्रिय पाठकगण,

यदि आप हिन्दुस्तान एकता में अपनी कोई रचना, लेख, कविता, कहानी, ग़ज़ल, समीक्षा, संस्मरण, जीवनी, बाल स्तंभ व महिला स्तंभ आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो हर महीने की 2, 9, 16, 23 तारीख तक इस ईमेल पर भेजें तथा देश के हर कोने तक अपनी आवाज को बुलंद करें।

ईमेल:
hindustanektaliterature@gmail.com

न्यायिक जांच के घेरे में चर्चित भरत तिवारी मुठभेड़ प्रकरण

महेन्द्र तिवारी, भूतपूर्व वायुसैनिक, संप्रति राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में कार्यरत

बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिलौटी गांव में 17 जून 2026 को हुई एक घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। भरत भूषण तिवारी उर्फ भरत तिवारी नामक युवक की पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई मौत ने केवल एक स्थानीय विवाद का रूप नहीं लिया, बल्कि देखते ही देखते यह मामला प्रशासन, राजनीति, न्याय व्यवस्था और नागरिक अधिकारों से जुड़ी बड़ी बहस का विषय बन गया। घटना के बाद सामने आए अलग-अलग दावों और आरोपों ने इस प्रकरण को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। एक ओर पुलिस इसे आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई बता रही है, वहीं दूसरी ओर मृतक के परिजन, समर्थक और अनेक ग्रामीण इसे सुनियोजित फर्जी मुठभेड़ कह रहे हैं। यही कारण है कि इस घटना ने देश भर में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं और अब सबकी निगाहें न्यायिक जांच पर टिकी हुई हैं।

पुलिस के अनुसार भरत तिवारी पिछले कुछ समय से सामाजिक माध्यमों पर अत्यधिक सक्रिय था। प्रशासन का दावा है कि उसके द्वारा किए गए कुछ प्रसारण और संदेश सार्वजनिक शांति तथा प्रशासनिक व्यवस्था के लिए खतरा बनते जा रहे थे। पुलिस का कहना है कि उसने कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को खुले तौर पर धमकी दी थी और उसके पास अवैध हथियार भी था। पुलिस के आधिकारिक विवरण के अनुसार उसे गिरफ्तार करने के लिए एक विशेष दल बिलौटी गांव पहुंचा था। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी की कोशिश के दौरान भरत ने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस का यह भी कहना है कि इस कार्रवाई के दौरान उनके वाहन को नुकसान पहुंचा और जवानों की जान को वास्तविक खतरा था, इसलिए आत्मरक्षा में बल प्रयोग करना आवश्यक हो गया था।

घटना का दूसरा पक्ष इससे बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी, अन्य परिजन और गांव के अनेक लोग पुलिस के पूरे घटनाक्रम को झूठा और मनगढ़ंत बता रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने पहले से ही भरत को निशाना बना रखा था। परिजनों का कहना है कि पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने के बाद भरत ने अपना हथियार दूर फेंक दिया था और वह आत्मसमर्पण के लिए तैयार था। उनका दावा है कि वह उस समय पुलिस के लिए कोई खतरा नहीं था, फिर भी उसे बेहद नजदीक से गोली मारी गई। परिवार का कहना है कि यदि वह वास्तव में आत्मसमर्पण कर चुका था, तो उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाना चाहिए था, न कि उसकी जान ले ली जानी चाहिए थी। इसी आधार पर वे इस घटना को फर्जी मुठभेड़ और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। इस मामले का एक सामाजिक पक्ष भी सामने आया है, जिसने विवाद को और गहरा कर दिया। ग्रामीणों और समर्थकों के अनुसार भरत तिवारी क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव और विस्थापन जैसे मुद्दों को लेकर सक्रिय था। बताया जाता है कि वह विशेष रूप से उन लोगों की समस्याओं को उठा रहा था जो प्राकृतिक आपदाओं और प्रशासनिक उपेक्षा से प्रभावित थे। उसके समर्थकों का आरोप है कि वह स्थानीय स्तर पर जनहित के प्रश्नों को मजबूती से उठा रहा था और इसी कारण कुछ प्रभावशाली लोगों तथा प्रशासन के निशाने पर आ गया। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में अभी तक कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है, लेकिन इन दावों ने जनभावनाओं को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। घटना के बाद भोजपुर जिले में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आरा से बक्सर जाने वाले प्रमुख मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। विरोध की तीव्रता इस बात का संकेत थी कि यह मामला केवल एक व्यक्ति की मृत्यु तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों के मन में पहले से मौजूद अविश्वास और असंतोष भी इसके साथ जुड़ गया। कई स्थानों पर लोगों ने न्याय की मांग को लेकर नारे लगाए और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब पुलिस ने प्रदर्शन और विरोध से जुड़े कुछ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इनमें मृतक के परिजन तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल बताए गए। विरोधियों ने इसे दबाव बनाने की कोशिश बताया, जबकि प्रशासन का कहना था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। इस कार्रवाई ने बहस को और तेज कर दिया क्योंकि एक वर्ग का मानना था कि विरोध कर रहे लोगों को डराने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इसे कानून व्यवस्था बनाए रखने की सामान्य प्रक्रिया मान रहा था।

राजनीतिक स्तर पर भी इस घटना ने व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के कई नेताओं ने मामले पर चिंता व्यक्त की। कुछ नेताओं ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की, जबकि कुछ ने कानून व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हुआ। विपक्ष ने इसे प्रशासनिक विफलता और पुलिस की मनमानी का उदाहरण बताया, जबकि सरकार समर्थक नेताओं ने कहा कि अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। इस प्रकार यह मामला केवल कानून और व्यवस्था का प्रश्न नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी महत्वपूर्ण विषय बन गया।

किसी भी कथित मुठभेड़ के मामले में सबसे महत्वपूर्ण तत्व साक्ष्य होते हैं। घटनास्थल से प्राप्त सामग्री, हथियारों की जांच, गोलियों की दिशा, दूरी, चिकित्सकीय परीक्षण, शव परीक्षण रिपोर्ट, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य वैज्ञानिक प्रमाण ही यह तय कर सकते हैं कि वास्तव में क्या हुआ था। यदि पुलिस का दावा सही है, तो जांच में ऐसे प्रमाण मिलने चाहिए जो यह सिद्ध करें कि पुलिस दल पर वास्तविक हमला हुआ था और आत्मरक्षा के अलावा कोई विकल्प नहीं था। दूसरी ओर यदि परिजनों का आरोप सही है, तो जांच में ऐसे तथ्य सामने आ सकते हैं जो यह साबित करें कि भरत तिवारी आत्मसमर्पण कर चुका था या उसे अनुचित परिस्थितियों में गोली मारी गई थी।

(यह लेखक के निजी विचार है)

पेपर लीक: समाज पर बना एक बड़ा अभिशाप

मुकेश कुमार
लेखक- हिंदी अध्यापक
सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राई सोनीपत

भारतीय समाज में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं का विशेष महत्व है। विशेषकर मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह उनके वर्षों के संघर्ष, त्याग और सपनों का प्रतीक होती है। एक विद्यार्थी की सफलता के पीछे उसके माता-पिता की मेहनत, आर्थिक चुनौतियां और अनेक उम्मीदें जुड़ी होती हैं। ऐसे में जब किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है, तो यह केवल एक परीक्षा की निष्पक्षता को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों के विश्वास को भी तोड़ देता है। इसलिए पेपर लीक को समाज पर एक गंभीर अभिशाप माना जाना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में नीट-यूजी, एसएससी, रेलवे भर्ती तथा विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने की घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। पेपर लीक के कारण मेहनती और ईमानदार विद्यार्थियों की वर्षों की तैयारी पर पानी फिर जाता है, जबकि अनुचित साधनों का सहारा लेने वाले लोग लाभ प्राप्त कर लेते हैं। यह स्थिति प्रतिभा और परिश्रम के महत्व को कम करती है तथा समाज में अन्याय और असमानता को बढ़ावा देती है।

पेपर लीक का सबसे अधिक दुष्प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ता है। परीक्षा रद्द होने या परिणामों पर संदेह उत्पन्न होने से छात्रों में निराशा, तनाव और असुरक्षा की भावना बढ़ जाती है। कई विद्यार्थी अवसाद, चिंता और मानसिक दबाव का शिकार हो जाते हैं। बार-बार परीक्षा देने की स्थिति में उनका आत्मविश्वास भी कमजोर पड़ जाता है। मानसिक तनाव का प्रभाव उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, जिससे उनका समग्र विकास प्रभावित होता है।

परिवारों पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। अनेक माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हैं, कोचिंग, पुस्तकें और अन्य संसाधनों पर भारी खर्च करते हैं। जब पेपर लीक जैसी घटनाओं के कारण परीक्षा प्रक्रिया प्रभावित होती है, तब उनके सपने और उम्मीदें धूमिल हो जाती हैं। यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि भावनात्मक आघात भी होता है।

पेपर लीक का प्रभाव पूरे समाज और राष्ट्र पर पड़ता है। यदि योग्य उम्मीदवारों के स्थान पर अनुचित तरीके से चयनित लोग महत्वपूर्ण पदों पर पहुँच जाते हैं, तो प्रशासनिक और संस्थागत गुणवत्ता प्रभावित होती है। इससे युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास कम होता है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। परिणामस्वरूप देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव कमजोर होने लगती है। सरकार ने इस समस्या को रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 लागू किया गया है। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है, बायोमेट्रिक सत्यापन की व्यवस्था की गई है तथा प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और निगरानी के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई भी की जा रही है।

फिर भी केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है। आधुनिक तकनीकी संसाधनों का व्यापक उपयोग, साइबर गतिविधियों पर सतत निगरानी, प्रश्नपत्रों की डिजिटल सुरक्षा तथा पेपर लीक से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक न्यायालयों की स्थापना आवश्यक है। साथ ही समाज में नैतिक मूल्यों और ईमानदारी को बढ़ावा देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अतः पेपर लीक केवल एक कानूनी अपराध नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य पर आघात है। हमें मिलकर इस दीमक को समाप्त करना होगा, ताकि भारत के युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम और सपनों को उचित सम्मान मिल सके तथा एक निष्पक्ष और सशक्त राष्ट्र का निर्माण हो सके।

(यह लेखक के निजी विचार है)

अपनों के लिए हार जाना ही असली जीत

आर.जे.रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम गोल्ड 100.1

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसके जीवन की सबसे बड़ी ताकत उसके रिश्ते होते हैं। परिवार, मित्रता, वैवाहिक संबंध और सामाजिक जुड़ाव हमारे जीवन को अर्थ देते हैं। सफलता, धन और प्रतिष्ठा जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, लेकिन सच्चा सुख उन लोगों के साथ मिलता है जो हर परिस्थिति में हमारा साथ निभाते हैं। फिर भी आज के समय में रिश्तों में बढ़ते टकराव, दूरियां और गलतफहमियां एक गंभीर सामाजिक समस्या बनती जा रही हैं। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि रिश्तों में संघर्ष क्यों पैदा होता है और उन्हें कैसे संभाला जा सकता है।

रिश्तों में टकराव का सबसे बड़ा कारण संवाद का अभाव है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता में लोग एक-दूसरे को सुनने से अधिक अपनी बात कहने पर ध्यान देते हैं। कई बार हम सामने वाले की पूरी बात सुने बिना ही प्रतिक्रिया दे देते हैं। परिणामस्वरूप छोटी-छोटी गलतफहमियां बड़े विवादों का रूप ले लेती हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि अधिकांश पारिवारिक और वैवाहिक विवादों की जड़ यही महसूस करना होता है कि मुझे समझा नहीं गया।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण अवास्तविक अपेक्षाएं हैं। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि जो व्यक्ति हमारा अपना है, वह बिना कहे हमारी भावनाओं और जरूरतों को समझ लेगा। जब ऐसा नहीं होता, तो निराशा और उपेक्षा की भावना जन्म लेती है। पति-पत्नी, माता-पिता और बच्चों या दोस्तों के बीच अनेक मतभेद केवल इसलिए बढ़ जाते हैं क्योंकि दोनों पक्ष अपनी अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं करते।

रिश्तों में अहंकार भी बड़ी बाधा बनता है। मैं क्यों झुकूं? या गलती मेरी नहीं है जैसी सोच संबंधों को कमजोर कर देती है। वास्तव में झुकना हार नहीं, बल्कि रिश्ते को महत्व देना है। जो व्यक्ति समय पर माफी मांग लेता है या विवाद को शांत करने के लिए पहल करता है, वही संबंधों को बचाने में सफल होता है। मजबूत रिश्ते जीत और हार के आधार पर नहीं, बल्कि समझ और संवेदनशीलता के आधार पर टिके रहते हैं।

आज सोशल मीडिया ने भी रिश्तों पर गहरा प्रभाव डाला है। लोग दूसरों की खुशहाल तस्वीरें देखकर अपने जीवन और संबंधों की तुलना करने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया केवल जीवन के अच्छे क्षणों को दिखाता है। इस तुलना के कारण असंतोष और अपेक्षाएं बढ़ती हैं, जो आगे चलकर विवादों को जन्म देती हैं।

इसके अलावा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी समय की कमी भी तनाव का कारण बनती है। हर व्यक्ति को अपने लिए कुछ समय चाहिए होता है, जिसमें वह अपनी रुचियों, विचारों और मानसिक शांति के साथ रह सके। जब रिश्तों में अत्यधिक हस्तक्षेप या लगातार अपेक्षाएं बढ़ जाती हैं, तो व्यक्ति स्वयं को बंधन में महसूस करने लगता है। रिश्तों में एक और बड़ी गलती अतीत की घटनाओं को बार-बार दोहराना है। वर्तमान की समस्या को सुलझाने के बजाय पुरानी गलतियों को याद दिलाने से केवल कटुता बढ़ती है। इससे विवाद का समाधान नहीं होता, बल्कि विश्वास और सम्मान कमजोर पड़ता है।

लगातार टकराव का प्रभाव केवल मानसिक शांति तक सीमित नहीं रहता। यह तनाव, अनिद्रा, अवसाद और उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है। बच्चों पर इसका प्रभाव और भी गंभीर होता है, क्योंकि वे अपने आसपास के माहौल से सीखते हैं। घर में लगातार झगड़े और तनाव उनके आत्मविश्वास तथा व्यक्तित्व विकास को प्रभावित कर सकते हैं। रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले, सक्रिय संवाद की आदत विकसित करनी चाहिए। एक-दूसरे को ध्यान से सुनना और सम्मानपूर्वक अपनी बात रखना अत्यंत आवश्यक है। अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करना, समय-समय पर धन्यवाद और मुझे क्षमा करें जैसे शब्दों का प्रयोग करना तथा डिजिटल दुनिया से कुछ समय निकालकर वास्तविक संबंधों को समय देना भी आवश्यक है। यदि समस्या गंभीर हो, तो पारिवारिक परामर्श या काउंसलिंग लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए। अंततः, रिश्ते जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी हैं। धन, पद और सफलता समय के साथ बदल सकते हैं, लेकिन अपने लोगों का साथ जीवन को संबल देता है।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

पानी की लड़ाई में क्यों घुला जातिवाद?

डॉ. प्रियंका सौरभ
पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं)

हरियाणा के हांसी क्षेत्र के चैनत गांव में पानी की समस्या को लेकर चल रहा आंदोलन एक महत्वपूर्ण सामाजिक और प्रशासनिक प्रश्न को सामने लाता है। किसी भी नागरिक समाज में पीने के पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए लोगों को सड़क पर उतरना पड़े, यह अपने आप में शासन व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसलिए चैनत के ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्या को लेकर आवाज उठाना पूरी तरह न्यायसंगत और लोकतांत्रिक अधिकारों के अनुरूप है। किंतु इसी आंदोलन के दौरान कुछ ऐसी टिप्पणियाँ सामने आईं, जिनमें एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के प्रति व्यक्तिगत और जातिगत आधार पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। यह स्थिति हमें सोचने पर विवश करती है कि क्या किसी जायज मांग को मनवाने के लिए सामाजिक मर्यादा और संवैधानिक मूल्यों की सीमाएं लांघी जा सकती हैं?

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक अवसरों पर स्पष्ट किया है कि जीवन के अधिकार में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी शामिल है। यदि किसी गाँव में लोग पर्याप्त पानी से वंचित हैं, तो यह केवल एक स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का विषय है। ग्रामीणों की पीड़ा वास्तविक है और उसका समाधान करना सरकार तथा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जल संकट केवल असुविधा नहीं पैदा करता, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। महिलाओं और बच्चों को अक्सर पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता है, जिससे उनकी दिनचर्या और अवसर प्रभावित होते हैं।

भारत जैसे देश में जल संकट की समस्या नई नहीं है। बढ़ती जनसंख्या, भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन, वर्षा के असमान वितरण, जल स्रोतों के संरक्षण की कमी और अव्यवस्थित शहरीकरण ने अनेक क्षेत्रों में जल संकट को गंभीर बनाया है। हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य में यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है क्योंकि कृषि, घरेलू उपयोग और औद्योगिक आवश्यकताओं के बीच जल संसाधनों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में यदि किसी गाँव के लोग अपनी समस्या को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, तो उनकी बात सुनना और समाधान निकालना प्रशासन का दायित्व है।

लोकतंत्र में विरोध और आंदोलन नागरिकों का वैध अधिकार है। जब जनता को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा, तब वे ज्ञापन देते हैं, धरना-प्रदर्शन करते हैं और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हैं। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक स्वस्थ प्रक्रिया है। लेकिन लोकतंत्र केवल अधिकारों का नाम नहीं है, यह जिम्मेदारियों का भी नाम है। विरोध का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सामाजिक मर्यादा और पारस्परिक सम्मान बनाए रखना। यदि आंदोलन के दौरान भाषा की गरिमा समाप्त हो जाए और व्यक्तिगत या जातिगत टिप्पणियाँ होने लगें, तो आंदोलन का नैतिक आधार कमजोर पड़ जाता है।

किसी अधिकारी, जनप्रतिनिधि या सार्वजनिक व्यक्ति की आलोचना करना लोकतंत्र का हिस्सा है। लेकिन आलोचना का आधार उसके निर्णय, कार्यशैली और नीतियाँ होनी चाहिए। जब आलोचना व्यक्ति की जाति, पहनावे, भाषा या सामाजिक पृष्ठभूमि पर केंद्रित हो जाती है, तब वह लोकतांत्रिक विमर्श नहीं रह जाती, बल्कि पूर्वाग्रह और भेदभाव का रूप ले लेती है। यह स्थिति न केवल संबंधित व्यक्ति को आहत करती है, बल्कि समाज में विभाजन और अविश्वास को भी बढ़ावा देती है।

भारतीय संविधान की मूल भावना समानता पर आधारित है। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी जहाँ किसी व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, धर्म, भाषा या जन्म के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी योग्यता और कर्म के आधार पर किया जाए। इसी उद्देश्य से संविधान में समानता का अधिकार दिया गया तथा अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए। इसके बावजूद आज भी समाज के अनेक हिस्सों में जातिगत सोच और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। जब किसी अधिकारी या व्यक्ति के बारे में उसकी जाति के आधार पर टिप्पणी की जाती है, तो यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं होता, बल्कि संविधान की मूल भावना का भी अनादर होता है।

यह समझना आवश्यक है कि किसी भी प्रशासनिक पद तक पहुँचने के पीछे वर्षों का कठिन परिश्रम और संघर्ष होता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा या अन्य उच्च पदों पर चयनित होने वाले अधिकारी लंबी प्रतियोगी प्रक्रिया से गुजरते हैं। वे कठिन परीक्षाएँ उत्तीर्ण करते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं और सार्वजनिक सेवा के लिए स्वयं को तैयार करते हैं। इसलिए किसी अधिकारी का मूल्यांकन उसके सामाजिक या जातिगत परिचय से नहीं, बल्कि उसके कार्य और प्रदर्शन से होना चाहिए।

सार्वजनिक जीवन में गरिमा का महत्व अत्यंत बड़ा है। यदि समाज में यह प्रवृत्ति बढ़ने लगे कि किसी व्यक्ति की आलोचना उसके जन्मगत आधारों पर की जाए, तो इससे लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी सार्वजनिक जीवन में आने से हिचक सकते हैं। इससे प्रशासनिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी कमजोर पड़ सकता है। यह भी उतना ही सत्य है कि प्रशासन को जनता की भावनाओं और समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। कई बार समस्याओं के समाधान में देरी या संवाद की कमी के कारण लोगों में असंतोष बढ़ता है।

(यह लेखिका के निजी विचार है)

न्यूज ब्रीफ

चीन के पड़ोसी देश पर जयशंकर का बड़ा ऐलान, सिखाएंगे अंग्रेजी

नई दिल्ली » भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने बताया है कि एक देश भारत से अंग्रेजी सीखना चाहता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह देश सिर्फ और सिर्फ दो देशों के साथ बॉर्डर शेयर करता है और वह दोनों देश महाशक्तियां हैं। जो देश भारत से अंग्रेजी सीखना चाहता है, वह रूस और चीन के बीचोंबीच स्थित है। इस देश का नाम मंगोलिया है। मंगोलिया के पास एक ऐसा खजाना है जो भारत की तकदीर बदल सकता है। अब इसी मंगोलिया ने भारत से कहा है कि हमें अंग्रेजी सिखा दो। मजे की बात देखिए कि दो महाशक्तियों के बीच बैठा मंगोलिया भारत से बॉर्डर शेयर नहीं करता है, लेकिन इसके बावजूद भारत को अपना तीसरा पड़ोसी बोल रहा है।

हमारी पार्टी ईश्वर में विश्वास रखती है: मुख्यमंत्री विजय

नई दिल्ली » तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि हालांकि उनकी पार्टी ने द्रविड़ राजनीति के जनक माने जाने वाले पेरियार ई.वी. रामासामी के व्यापक सामाजिक सिद्धांतों को अपनाया है, लेकिन वे नास्तिकता और धार्मिक मान्यताओं को नकारे जाने के उनके विचारों से सहमत नहीं हैं। पेरियार की तर्कवादी सोच और अपनी पार्टी के रुख के बीच अंतर बताते हुए विजय ने कहा कि हमने धार्मिक मान्यताओं को नकारे जाने के पेरियार के विचार को स्वीकार नहीं किया, लेकिन उनके व्यापक सिद्धांतों को पूरी तरह अपनाया।

पाकिस्तान का प्रोपेगैंडा फिर फेल

वायु सेना के टेंडर ने साबित किया- सभी 36 राफेल लड़ाकू विमान आपरेशनल हैं

एजेंसी » नई दिल्ली

पाकिस्तान के बार-बार किए जा रहे इन दावों को कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने कई राफेल फाइटर जेट खो दिए थे, भारतीय वायु सेना के एक आधिकारिक दस्तावेज़ ने एक बार फिर गलत साबित कर दिया है। इस दस्तावेज़ में अभी सर्विस में मौजूद सभी 36 राफेल जेट के पूरे बेड़े के लिए 'ब्रिज सपोर्ट' की मांग की गई है। जून में जारी और 'इंडिया टुडे' द्वारा हासिल किए गए एयर हेडक्वार्टर के 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोज़ल' में सभी 36 राफेल फाइटर जेट के लिए पांच महीने के 'ब्रिज सपोर्ट पैकेज' के लिए बोलियां मंगाई गई हैं। यह वही संख्या है जो भारत ने 2016 में सरकार-से-सरकार के बीच हुए समझौते के तहत फ्रांस से खरीदी थी। इस दस्तावेज़ में सितंबर 2026 के बाद भी फ्लीट को चालू रखने के लिए मेंटेनेंस, लॉजिस्टिक्स और टेक्निकल सपोर्ट की मांग की गई है। पांच महीने की सपोर्ट अवधि के दौरान लगभग 2,250 फ्लाइंग आवर्स की योजना बनाई गई है। इस 'ब्रिज सपोर्ट' व्यवस्था का मकसद यह पक्का करना है कि जब तक लंबे समय के लिए सपोर्ट कॉन्ट्रैक्ट फाइनल नहीं हो जाता, तब तक कामकाज बिना किसी रुकावट के चलता रहे।

आरएफपी सीधे तौर पर पाकिस्तान के उस दावे को गलत साबित करता है कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत के कई राफेल जेट नष्ट हो गए थे। अगर कोई विमान नष्ट हुआ होता, तो मेंटेनेंस प्रपोज़ल में दिखाए गए बेड़े की संख्या कम होती। पाकिस्तान ने आधिकारिक बयानों और सुनियोजित सोशल मीडिया कैंपेन के ज़रिए बार-बार दावा किया था कि उसके सैनिकों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत के कई राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। भारत ने इन दावों को लगातार गलत जानकारी और दुष्प्रचार करार दिया और पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि वह IAF के ऑपरेशन की सफलता को कमतर दिखाने के लिए प्रोपेगैंडा कैंपेन चला रहा है। ताज़ा घटनाक्रम उन पुराने सबूतों को और मज़बूत करता है जिनसे पाकिस्तान के दावों पर पहले ही शक पैदा हो गया था। जिन राफेल विमानों के टेल नंबरों के बारे में पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स ने दावा किया था कि वे नष्ट हो गए हैं, उनकी बाद में ऑपरेशनल उड़ान भरते हुए तस्वीरें और वीडियो सामने आए, जिससे इस्लामाबाद के दावों की पोल और खुल गई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल बेड़े ने अहम भूमिका निभाई और पाकिस्तान के अंदर मौजूद ठिकानों पर सटीक हमले किए। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन के दौरान विमानों ने उम्मीद के मुताबिक काम किया और उन्होंने किसी भी तरह के युद्ध-जनित नुकसान के दावों को बार-बार खारिज किया है। जून 2026 का टेंडर अब वह ताज़ा आधिकारिक रिकॉर्ड है जो भारत के इस रुख की पुष्टि करता है कि उसका राफेल बेड़ा पूरी तरह सुरक्षित है; इससे विमानों के नष्ट होने के पाकिस्तान के बार-बार किए जाने वाले दावों को एक और झटका लगा है।

कश्मीरी पंडित से महबूबा मुफ्ती बोलीं अतीत को भूल जाओ

नई दिल्ली » पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि कश्मीरी पंडितों को एक साझा भविष्य के निर्माण के लिए आगे बढ़ना चाहिए और अतीत को भुला देना चाहिए। वहीं भाजपा ने कहा है कि कश्मीरी पंडित समुदाय ने जो पीड़ा और कष्ट झेले हैं, उन्हें लोगों से अतीत को भूल जाने के लिए कहकर यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मध्य कश्मीर के गांदरबल जिला स्थित प्रसिद्ध माता खीर भवानी मंदिर की यात्रा की और वार्षिक मेले के अवसर पर वहां आए कश्मीरी पंडितों से बातचीत की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मेले में बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित आए हैं और कश्मीर के लोग पूरे दिल से उनका स्वागत करते हैं। पीडीपी प्रमुख ने कहा, ''हम चाहते हैं कि हमारे कश्मीरी पंडित भाई-बहन अतीत में जो कुछ भी हुआ उसे भूल जाएं और भविष्य की ओर देखें।'

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा ऐलान

होरमुज जलडमरूमध्य से निकला रिकॉर्ड तेल, दुनिया हुई ज्यादा महफूज़

एजेंसी » नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि तेहरान के साथ वॉशिंगटन की नई कूटनीतिक समझ लागू होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में अभूतपूर्व समुद्री गतिविधियां देखी गईं। ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से 19 मिलियन बैरल तेल का प्रवाह हुआ। 'ट्रुथ सोशल' पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, ट्रंप ने पिछले सप्ताह ईरान के साथ हुई कूटनीतिक समझौते के नतीजों की सराहना की। इस द्विपक्षीय समझौते के असर पर खुशी जताते हुए ट्रंप ने लिखा, तेल की कीमतें तेजी से गिर रही हैं और दुनिया अब कहीं अधिक सुरक्षित जगह बन गई है! व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग में इन बातों को आगे बढ़ाते हुए, ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल का ट्रांसपोर्ट पिछले दिन अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने इस घटनाक्रम को एक अहम उपलब्धि बताया और कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए यह ज़रूरी समुद्री रास्ता पूरी तरह से खुला और बिना किसी रुकावट के काम कर रहा है। ट्रंप ने कहा कल हमने इस जलडमरूमध्य से गुज़रने वाले तेल की मात्रा से कहीं ज्यादा तेल हासिल किया।

ममता को टीएमसी में सीधी चुनौती!

नई दिल्ली » कोलकाता में एक खास बैठक में, विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने एक नई राष्ट्रीय लीडरशिप टीम बनाई। इस कदम से ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के अधिकार को सीधे चुनौती दी गई। टीएमसी के अंदर बगावत ने एक अहम मोड़ ले लिया। बागी नेताओं ने सिर्फ़ लीडरशिप को चुनौती देने से आगे बढ़कर संगठन को ही नए सिरे से बनाने की कोशिश की और अपने गुट को पार्टी का असली उत्तराधिकारी बताया। कोलकाता के एक होटल में हुई इस 31 मिनट की खास बैठक में राज्य भर से बागी विधायक, पूर्व पार्षद और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। टीएमसी का 'जुड़वां फूल' वाला चुनाव चिह्न तो प्रमुखता से दिख रहा था, लेकिन मंच पर महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, काज़ी नज़रुल इस्लाम और बीआर अंबेडकर की तस्वीरें लगी थीं।

अमेरिका-ईरान समझौते का असर, होर्मुज से भारतीय जहाजों के लिए रास्ता खुला

एजेंसी » नई दिल्ली

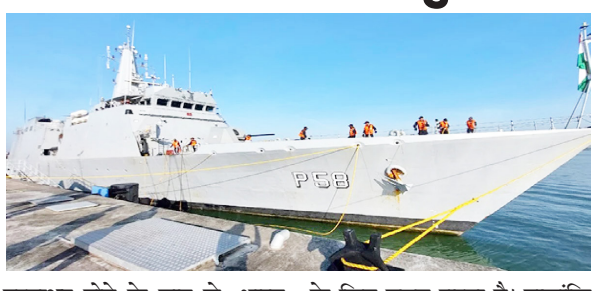

भारत ने मंगलवार को बताया कि ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कम करने के लिए हुए समझौते (एमओयू) के बाद, भारत आने वाले 11 जहाज़ होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रे हैं, जबकि भारतीय झंडे वाले 10 जहाज़ अभी भी फ़ारस की खाड़ी इलाके में हैं। विदेश मंत्रालय ने एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारतीय झंडे वाले दस जहाज़ अभी भी फ़ारस की खाड़ी इलाके में हैं। इसके अलावा, हमारे दो भारतीय जहाज़ इस तरफ़ से फ़ारस की खाड़ी में गए हैं। एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद से, भारत आने वाले ग्यारह जहाज़ होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रे हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से यह जानकारी ऐसे समय में आई है जब समुद्री रास्ते के इस बेहद अहम और संकरे हिस्से के आसपास लंबे समय से अस्थिरता बनी हुई है; यह हिस्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हाइड्रोकार्बन और लिक्विफाइड गैस की ढुलाई के लिए मुख्य रास्ता है। हालांकि पिछले हफ़्ते वॉशिंगटन और तेहरान के बीच शुरुआती समझौते के तहत होर्मुज़ जलडमरूमध्य को ट्रैफ़िक के लिए खोल दिया गया था, लेकिन शनिवार को लेबनान के अंदर इज़राइल के सैन्य हमलों के बाद ईरानी अधिकारियों ने इस जलमार्ग को फिर से बंद करने की घोषणा कर दी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले- किसी को बख्शा नहीं जाएगा, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली » उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 23 जून को घोषणा की कि लखनऊ के अलीगंज इलाके में लगी जानलेवा आग, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी, उसके लिए ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस घटना के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ़्तार किया गया है और कई अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। पाठक ने कहा कि कल रात से अब तक चार लोगों को गिरफ़्तार किया गया है और कुछ अधिकारियों को सस्पेंड भी किया गया है। SIT की रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में सख़्त कार्रवाई की जाएगी; किसी को भी बख़्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस सांसद जेबी माथर ने ऐसी घटनाओं के बार-बार होने पर चिंता जताई और जवाबदेही तय करने और सुरक्षा के बेहतर नियम लागू करने की मांग की।

मानद कर्नल बन जड़ों से फिर जुड़े

थलसेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी ने जे-के राइफल्स की संभाली कमान

एजेंसी » नई दिल्ली

अपने शानदार करियर की शुरुआत और पूरी भारतीय सेना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर राइफल्स और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंट के 'ऑनररी कर्नल' का पदभार संभाला है। यह औपचारिक कार्यक्रम एक भावुक समारोह के दौरान हुआ, जिसमें रेजिमेंट के मौजूदा कर्नल, लेफ्टिनेंट जनरल एमपी सिंह ने सेना प्रमुख को औपचारिक बैटन सौंपा। बैटन सौंपने की यह प्रक्रिया सेना प्रमुख और उन ऐतिहासिक रेजिमेंट्स के बीच गहरे और अटूट संबंध को दर्शाती है, जिनमें उन्होंने कभी अपनी सेवाएं दी थीं। एक्स पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्रालय (सेना) के आईएचक्यू के 'एडिशनल डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ पब्लिक इन्फॉर्मेशन' ने 'ऑनररी कर्नल' के पद पर नियुक्ति की पुष्टि की। भारतीय सेना की सर्वोच्च कमान संभालने पर, जनरल द्विवेदी ने शुरू में जम्मू-कश्मीर राइफल्स और लद्दाख स्काउट्स दोनों के लिए 'कर्नल ऑफ़ द रेजिमेंट' का पद छोड़ दिया था। थलसेनाध्यक्ष के तौर पर अपने कार्यकाल के शुरुआती दौर में किसी खास रेजिमेंट का पद न संभालने का फ़ैसला करके, उन्होंने पूरी निष्पक्षता के साथ सेना का नेतृत्व करने की अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने खुद को किसी एक शाखा के प्रतिनिधि के बजाय पूरी भारतीय सेना के संरक्षक के तौर पर देखा।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

सविता पूनिया बोलीं- अच्छा ड्रेसिंग रूम माहौल ही सफलता की कुंजी

नई दिल्ली » एफआईएच नेशंस कप में मिली खिताबी जीत को विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले महत्वपूर्ण बताते हुए भारत की अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने इसका श्रेय ड्रेसिंग रूम के शानदार माहौल को देते हुए कहा कि एकजुट होकर खेलने पर यह टीम किसी से कम नहीं है। भारत ने रविवार को ऑकलैंड में मेजबान न्यूज़ीलैंड को 2-0 से हराकर एफआईएच महिला नेशंस कप खिताब जीता और एफआईएच महिला प्रो लीग में वापसी की जिससे पिछले सत्र के खराब प्रदर्शन के बाद टीम बाहर हो गई थी।

यूएस ओपन 300 में लक्ष्य सेन पर निगाहें

नई दिल्ली » अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से यहां शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे। इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा। इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद लक्ष्य वापसी करने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे।

हॉकी... 2025-26 एफआईएच प्रो लीग

भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया लंदन में अंतिम पलों तक चला रोमांच

एजेंसी » नई दिल्ली

2025-26 एफआईएच प्रो लीग के लंदन लेग के अपने पहले मैच में, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ़ 4-3 से रोमांचक जीत हासिल की, हालांकि उन्हें अंत में थोड़ी घबराहट का सामना करना पड़ा। मैच के ज़्यादातर समय दबदबा बनाए रखने के बावजूद, पहले क्वार्टर के आखिर में भारत पिछड़ गया, जब अहमद नदीम ने खेल के बहाव के उलट एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। हालांकि, हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम ने दूसरे क्वार्टर में ज़बरदस्त वापसी की।

अभिषेक ने 23वें मिनट में स्कोर बराबर किया; उन्होंने काउंटर-अटैक के दौरान पाकिस्तान पर संख्यात्मक बढ़त का फ़ायदा उठाते हुए रिबाउंड पर गोल किया। ठीक एक मिनट बाद, नीलाकांता शर्मा ने शानदार फ़िनिश के साथ भारत को आगे कर दिया, जिससे हाफ़-टाइम तक टीम को 2-1 की बढ़त मिल गई। ब्रेक के बाद भी भारत का दबदबा बना रहा और सुखजीत सिंह ने 40वें मिनट में एक शानदार अटैकिंग मूव को गोल में बदलकर टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया। इसके बाद आखिरी क्वार्टर में राजिंदर ने पेनल्टी कॉर्नर से चौथा गोल करके मैच को लगभग पाकिस्तान की पहुँच से दूर कर दिया। हालांकि, पाकिस्तान ने हार नहीं मानी। मैच खत्म होने से ठीक पहले अबू ने एक गोल किया और फिर आखिरी मिनट में मेहमान टीम ने एक और गोल करके मुकाबले को रोमांचक बना दिया। आखिरकार भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी और तीनों पॉइंट हासिल करते हुए इस सीज़न की अपनी तीसरी जीत दर्ज की।

फिर गरजेगीं सेरेना, वाइल्ड कार्ड से 4 साल बाद ग्रैंड स्लैम में कमबैक

नई दिल्ली » टेनिस प्रेमियों के लिए एक बड़ी और भावनात्मक खबर सामने आई है। दुनिया की महानतम महिला खिलाड़ियों में गिनी जाने वाली सेरेना विलियम्स एक बार फिर विंबलडन के एकल मुकाबलों में नजर आने वाली हैं। लगभग चार साल बाद उनकी यह वापसी खेल जगत में चर्चा का बड़ा विषय बन गई है।

ऑल इंग्लैंड क्लब ने उन्हें अंतिम वाइल्ड कार्ड प्रदान किया है, जिसके बाद अब वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के एकल वर्ग में हिस्सा लेंगी। गौरतलब है कि सेरेना विलियम्स ने वर्ष 2022 के अमेरिकी ओपन के बाद पेशेवर टेनिस से दूरी बना ली थी। उस समय उन्होंने कहा था कि वह टेनिस से आगे अपने जीवन के नए चरण की ओर बढ़ रही हैं। हालांकि उन्होंने कभी औपचारिक रूप से संन्यास की घोषणा नहीं की थी। इसी वजह से उनके प्रशंसकों के मन में हमेशा उम्मीद बनी रही कि वह एक दिन फिर कोर्ट पर वापसी कर सकती हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, विंबलडन के आयोजकों ने रविवार को सेरेना विलियम्स को वाइल्ड कार्ड देने की घोषणा की।

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप

16 साल के प्रीतम का गोल्डन निशाना, एयर राइफ़ल में गोल्ड जीतकर बढ़ाया देश का मान

एजेंसी » नई दिल्ली

भारत के युवा निशानेबाज प्रीतम केंद्रे ने अपने कौशल और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए रविवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। भारत ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में कांस्य पदक भी जीता, जिससे उसके पदकों की कुल संख्या 11 हो गई। इनमें पांच स्वर्ण पदक भी शामिल हैं। अपने दूसरे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग ले रहे 16 वर्षीय प्रीतम ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में 251.3 का स्कोर बनाकर तटस्थ खिलाड़ी टिमोफेई एलेनिकॉव और नॉर्वे के जेन्स ओस्टली को पीछे छोड़ते हुए भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। पुणे के इस निशानेबाज ने हाल ही में अपनी कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

प्रीतम ने कहा, ''मैं स्वर्ण पदक जीत कर बेहद खुश हूं। प्रतियोगिता के दौरान मेरा पूरा ध्यान अपनी तकनीक और प्रत्येक शॉट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर था।'' उन्होंने आगे कहा, ''विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मैं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में लगातार सुधार करना चाहता हूं और देश के लिए लगातार पदक जीतना चाहता हूं।' प्रीतम और उनके साथी पीयूष शर्मा क्वालीफाइंग राउंड में क्रमशः 628.2 और 629.0 का स्कोर बनाकर क्रमशः तीसरे और पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे थे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: एर्लिंग हालैंड का 'गोल-शो', नॉर्वे की नॉकआउट में धमाकेदार एंट्री!

एजेंसी » नई दिल्ली

फुटबॉल विश्व कप 2026 में नॉर्वे ने एक और दमदार प्रदर्शन करते हुए सेनेगल को 3-2 से हराकर नॉकआउट चरण में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली हैं। न्यूयॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालांड एक बार फिर नॉर्वे की जीत के सबसे बड़े नायक बनकर उभरे और लगातार दूसरे मैच में दो गोल दागकर दुनिया को अपनी क्षमता का एहसास कराया। मुकाबले की शुरुआत से ही नॉर्वे ने आक्रामक खेल दिखाया। मौजूद जानकारी के अनुसार शुरुआती मिनटों में ही क्रिस्टोफर आयर के हेडर पर सेनेगल के गोलकीपर एडुआर्ड मेंडी को शानदार बचाव करना पड़ा। हालांकि नॉर्वे को उस समय झटका भी लगा जब उनके प्रमुख रक्षक जूलियन रायर्सन चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। इसके बावजूद नॉर्वे का दबाव लगातार बना रहा। कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड और एर्लिंग हालांड लगातार सेनेगल की रक्षापंक्ति को परेशान कर रहे थे। मैच के पहले हाफ के अंतिम क्षणों में सेनेगल के कप्तान कालिदू कुलिबाली की एक बड़ी गलती टीम पर भारी पड़ गई। गेंद सीधे मार्कस होल्मग्रेन पेडर्सेन के पास पहुंची और उन्होंने मौका गंवाए बिना शानदार गोल कर नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही नॉर्वे ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। मार्टिन ओडेगार्ड के बेहतरीन पास पर एर्लिंग हालांड ने शानदार फिनिश करते हुए गेंद को जाल में पहुंचा दिया। गौरतलब है कि यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा गोल था और उन्होंने पहले मुकाबले में भी दो गोल किए थे।

विम्बलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा पर 4 साल का बैन

नई दिल्ली » विंबलडन की पूर्व चैंपियन मार्केटा वांद्रोसोवा को सोमवार को डोपिंग रोधी परीक्षण से इनकार करने के कारण चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया। चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी ने कहा कि जब परीक्षण एजेंट ने बिना अपनी सही पहचान बताए देर रात उनके दरवाजे की घंटी बजाई तो उन्हें 'मानसिक तनाव' और डर महसूस हुआ। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने यह घोषणा करते हुए कहा कि वांद्रोसोवा ने दिसंबर में परीक्षण कराने से इनकार कर दिया था और यह फैसला एक स्वतंत्र पंचाट ने लिया है।

हॉकी में भारत की बेटियों का डंका! न्यूजीलैंड को रौंदकर जीता नेशन्स कप, प्रो-लीग में जगह पक्की

एजेंसी » नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम ने कमाल करते हुए मेजबान न्यूजीलैंड को फाइनल में 2-0 से धूल चटा दी और एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद हॉकी इंडिया ने टीम के लिए इनामों की बौछार कर दी है। हर खिलाड़ी को 3 लाख और सपोर्ट स्टाफ के हर मेंबर को 1.5 लाख का कैश रिवॉर्ड देने का ऐलान किया गया है।

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेले गए इस खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम शुरू से ही हावी रही। मैच के चौथे ही मिनट में नवनीत कौर ने गोल दागकर भारत को बढ़त दिला दी, इसके बाद 15वें मिनट में सुनेलिता टोप्पो ने दूसरा गोल करके टीम की जीत पक्की कर दी। गोलकीपर सविता और मजबूत डिफेंस ने न्यूजीलैंड की टीम को एक भी गोल करने का मौका नहीं दिया। लालरेम्सियामी को फाइनल मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारतीय टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए अपना दबदबा बनाए रखा। ग्रुप स्टेज में भारत ने यूएसए, जापान और उरुग्वे को मात दी, जबकि सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से बुरी तरह रौंदकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस पूरे टूर्नामेंट में भारत की दीपिका सबसे ज्यादा 6 गोल करने वाली संयुक्त खिलाड़ी रहीं। यह भारत का दूसरा नेशंस कप खिताब है। इस धमाकेदार जीत के साथ ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने अगले सीजन की एफआईएच हॉकी विमेंस प्रो-लीग के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है, जो भारतीय हॉकी के लिए एक बहुत बड़ी कामयाबी है।

बॉलीवुड गॉसिप

वरुण धवन की मां बनने पर ट्रोल हुईं मौनी रॉय

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय हाल ही में फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आई थीं। इस मूवी में उन्होंने वरुण धवन की 'फेक मां' का रोल प्ले किया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें बुरी तरह ट्रोल करना शुरू कर दिया। ट्रोलिंग की सबसे बड़ी वजह यह थी कि रीयल लाइफ में मौनी रॉय, वरुण धवन से सिर्फ एक साल बड़ी हैं। इतनी कम उम्र के अंतर के बावजूद मां का किरदार निभाने पर लोगों ने मेकर्स और मौनी पर खूब सवाल उठाए। अब इस पूरे विवाद पर मौनी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

» **ट्रोलर्स को मौनी का दो टूक जवाब, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता...** इस ट्रोलिंग पर रिएक्ट करते हुए मौनी रॉय ने कहा, मैं इन सब चीजों के बारे में कुछ नहीं कर सकती और सच कहूं तो मुझे अब इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। लोग इस बात का बतंगड़ बना रहे हैं कि मेकर्स ने मेरे साथ ऐसा कैसे कर दिया! लेकिन मुझे पता है कि मैंने अपना काम पूरी ईमानदारी से किया है। मेरे डायरेक्टर और सेट पर मौजूद बाकी सभी लोग मेरे काम से बेहद खुश थे, और मेरे लिए बस यही मायने रखता है।

» **पहली बार किया कॉमेडी में किया एक्सपेरिमेंट...** मौनी रॉय ने आगे बताया कि उन्हें इस कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया। वह डायरेक्टर डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हैं और उनकी फिल्में मौनी के लिए 'कम्फर्ट वॉच' की तरह हैं। अक्सर सीरियस, सुपरनैचुरल या बोल्ड किरदारों में नजर आने वाली मौनी ने इस फिल्म के जरिए पहली बार कॉमेडी में हाथ आजमाया है। उन्होंने साफ कर दिया कि वह अपनी लाइफ में पूरी तरह सॉर्टेड हैं और बड़े पर्दे पर किसी भी तरह का चैलेंजिंग रोल निभाने से उन्हें कोई परहेज नहीं है।

क्या सच में गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं सलमान खान? वायरल पोस्ट में दावा...

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पहले नाम) पर एक पोस्ट बहुत तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने सुपरस्टार सलमान खान के फैंस को चिंता में डाल दिया है। इस पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि सलमान खान की तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही है। घरवाले उन्हें इलाज के लिए अमेरिका जाने को कह रहे हैं, लेकिन सलमान अपनी आने वाली फिल्मों की शूटिंग पूरी करने के चक्कर में इलाज के लिए नहीं जा रहे हैं। हालांकि, इस वायरल पोस्ट में कितनी सच्चाई है, इसकी अभी तक कोई कंफर्मेशन नहीं हुई है।

दिशा और जैकलीन के बिकिनी सीन्स समेत 18 जगह चली कैंची

'वेलकम टू द जंगल...' को सेंसर बोर्ड से मिला झटका

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों का बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है और इसे लेकर काफी बज बना हुआ है। इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को UA 16+ सर्टिफिकेट के साथ पास किया है। लेकिन इसे हरी झंडी देने से पहले बोर्ड ने मेकर्स को फिल्म में कई बड़े बदलाव करने के निर्देश दिए हैं।

» **सेंसर बोर्ड ने लगाए 18 कट्स...** सिनेमाघरों में दस्तक देने से ठीक पहले सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म पर कड़ा रुख अपनाया है। खबरों के मुताबिक, फिल्म में 1, 2 नहीं बल्कि पूरे 18 कट्स लगाए गए हैं। बोर्ड ने फिल्म के कई डायलॉग्स और विजुअल्स को बदलने या पूरी तरह से हटाने का आदेश दिया है। इसके बाद ही फिल्म को थिएटर्स में रिलीज करने की मंजूरी दी गई है।

» **डायलॉग्स और सैन्य शब्दों में बदलाव...** फिल्म के डायलॉग्स में से कश्मीर के पानी का जिक्र हटा दिया गया है, साथ ही देश की टट्टी जैसे आपत्तिजनक शब्दों को भी साफ किया गया है। सेना से जुड़े शब्दों पर भी कैंची चली है; जैसे 'गोरखा रेजिमेंट' की जगह 'तुम आर्मी से हो?' कर दिया गया है। इसके अलावा, फिल्म में जहां भी 'जनरल' शब्द का इस्तेमाल हुआ था, उसे बदलकर अब 'ऑफिसर' या 'सर' कर दिया गया है।

हटाए गए बिकिनी सीन्स और बदला रनटाइम... डायलॉग्स के अलावा फिल्म के विजुअल्स पर भी सेंसर बोर्ड की कैंची चली है। फिल्म से ना दिया वाला एक 10 सेकंड का पूरा सीन हटा दिया गया है। इसके साथ ही, एक्ट्रेस दिशा पटानी और जैकलीन फर्नांडीज के बिकिनी सीन्स को भी फिल्म से बाहर करने का आदेश दिया गया है। इन तमाम 18 कट्स और बदलावों के बाद अब इस फिल्म का कुल रनटाइम 164.50 मिनट (लगभग 2 घंटे 44 मिनट) रह गया है।

ओणम पर मचेगा यश का धमाल

कई बार टलने के बाद सामने आई 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट

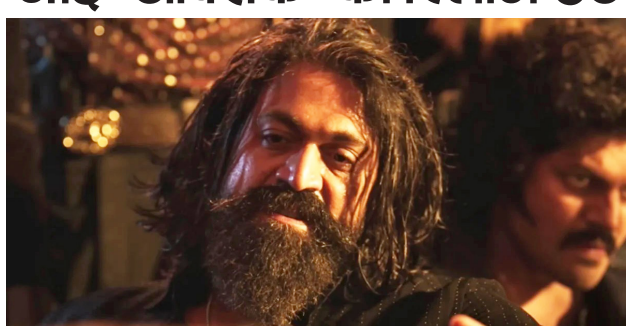

यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' के मेकर्स ने इसकी रिलीज़ डेट का ऐलान किया है। यह फिल्म 21 जून, 2026 को फादर्स डे के मौके पर रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब डायरेक्टर गीतू मोहनदास ने एक नया पोस्टर शेयर करते हुए बताया है कि फिल्म 26 अगस्त, 2026 को ओणम फेस्टिवल के दौरान सिनेमाघरों में आएगी। जानकारी के लिए बता दें कि इस कन्नड़ थ्रिलर फिल्म की रिलीज़ कई बार टाली जा चुकी है; पहले यह फिल्म 19 मार्च, 2026 को रणवीर सिंह की 'धुरंधरः द रिवेंज' के साथ रिलीज़ होने वाली थी। हालांकि, बाद में मिडिल ईस्ट में चल रही अनिश्चितता के कारण इसे 4 जून तक टाल दिया गया और फिर ग्लोबल रिलीज़ प्लान की वजह से इसे और आगे बढ़ा दिया गया।

» **'टॉक्सिक' की नई रिलीज़ डेट का ऐलान...** रविवार को फिल्ममेकर गीतू मोहनदास ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया और इसकी रिलीज़ डेट बताई। कैप्शन में उन्होंने लिखा, सबसे खुशहाल ओणम आने वाला है। अपने पिता का सम्मान करें... #Toxic 26-08-2026 से दुनिया भर के सिनेमाघरों में। रिलीज़ डेट के ऐलान वाले पोस्टर पर सिंगर विशाल मिश्रा ने कमेंट किया, दुनिया को यह देखने का बेसब्री से इंतज़ार है कि आपने क्या बनाया है।

क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2

विरानी परिवार की संपत्ति बेचने में लगा ये शख्स

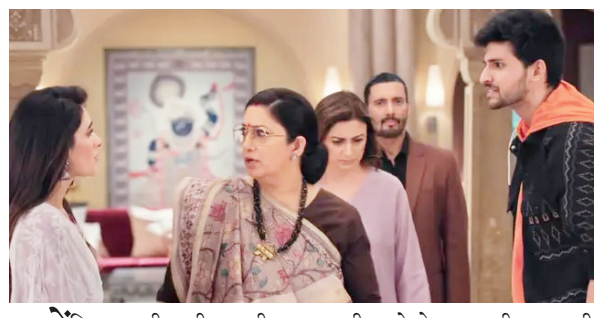

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 के एपिसोड की शुरुआत पार्थ और रियो से होती है, जो विरानी परिवार की नजरों से दूर एक साथ समय बिताते दिखाई देते हैं। दोनों शराब और सिगरेट पीते हुए एक क्लाइंट के साथ प्रॉपर्टी का सौदा करते हैं। उनकी बातचीत से साफ संकेत मिलता है कि वे किसी ऐसे काम में लगे हैं जिसके बारे में परिवार के बाकी सदस्य कुछ नहीं जानते।

» **रियो को अनजान शख्स का आता है फोन...** इसी बीच जब तुलसी की नजर पार्थ पर पड़ती है, तो वह समझ जाती है कि उसने शराब पी रखी है। इसी बीच रियो के पास एक फोन आता है। जिसमें कहा जाता है कि उसे जल्द से जल्द एडवांस देना होगा। यह प्रॉपर्टी डील को लेकर बातचीत चल रही है। फोन कटते ही रियो परेशान हो जाता है और वहां से चला जाता है। जिससे कोई सवाल ना पूछ लें।

» **तुलसी को पार्थ की होती है चिंता...** बाद में तुलसी, वैष्णवी से अकेले में बात करती है। वह जानना चाहती है कि शादी की पहली रात पार्थ उसके साथ था या नहीं। परिवार में नया विवाद खड़ा न हो, इसलिए वैष्णवी झूठ बोल देती है और कहती है कि सब कुछ ठीक था। हालांकि तुलसी की बेचैनी कम नहीं होती। वह नंदिनी से पार्थ की शराब पीने की आदत को लेकर चिंता जताती है, लेकिन नंदिनी तुरंत अपने बेटे का बचाव करने लगती है।

नई फिल्म 'रूह' का खौफनाक टीज़र आउट

इमरान हाशमी हॉरर की दुनिया में फिर करेंगे वापसी...

बॉलीवुड में रोमांटिक थ्रिलर के साथ-साथ हॉरर और सुपरनैचुरल जॉनर में अपनी एक अलग और मजबूत पहचान बनाने वाले अभिनेता इमरान हाशमी के फैंस के लिए एक बेहद रोमांचक खबर है। इमरान हाशमी पूरे 5 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर दर्शकों को डराने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने उनकी आगामी हॉरर फिल्म 'रूह' का आधिकारिक तौर पर एलान कर दिया है। इसके साथ ही फिल्म का पहला लुक (अनाउंसमेंट वीडियो) और इसकी रिलीज़ की तारीख भी सामने आ चुकी है। इमरान हाशमी को आखिरी बार साल 2021 में आई हॉरर फिल्म 'डिब्बुक' में देखा गया था, जिसके बाद से ही फैंस उन्हें दोबारा इस जॉनर में देखने की मांग कर रहे थे।

» **अनाउंसमेंट वीडियो में क्या है?** मेकर्स ने एक अनाउंसमेंट वीडियो के ज़रिए फिल्म 'रूह' का ऐलान किया। 52 सेकंड के इस क्लिप में जंगल में एक रहस्यमयी लड़की दिखाई देती है, और उसके बाद धुंध से ढके शीशे का शॉट आता है। एक रहस्यमयी हाथ शीशे को साफ करता है, जिससे इमरान हाशमी का चेहरा दिखाई देता है। अचानक, उनकी आँखें काली हो जाती हैं और स्क्रीन पर फिल्म का टाइटल 'रूह' दिखाई देता है।

» **फिल्म कब रिलीज़ होगी?** मेकर्स ने वीडियो में बताया कि फिल्म 2027 में रिलीज़ होगी। इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म का डायरेक्शन मयंक शर्मा करेंगे और इसकी कहानी (स्क्रीनप्ले) मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने लिखी है। विक्रम खाखर और सनी खन्ना इसके प्रोड्यूसर हैं।

» **इमरान हाशमी के करियर के बारे में और जानकारी...** इस एक्टर ने 2003 में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और 'मर्डर', 'गैंगस्टर' और 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई' जैसी फ़िल्मों से मशहूर हुए। इमरान हाशमी रोमांटिक थ्रिलर फ़िल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने कई ज़बरदस्त किरदार निभाए हैं, साथ ही उनके म्यूज़िक एल्बम भी चार्टबस्टर रहे हैं। उन्होंने कमर्शियल और कंटेंट-बेस्ड, दोनों तरह की फ़िल्मों में अच्छा काम किया है। उन्हें आखिरी बार फ़िल्म 'हक' और नेटफ़्लिक्स सीरीज़ 'तस्करीः द स्मगलर्स वेब' में देखा गया था।

बॉलीवुड न्यूज

ममूटी और अल्का याग्निक को मिला पद्म भूषण, माधवन पद्म श्री से सम्मानित

» राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार, 23 जून को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित दूसरे सिविल इनवेस्टीट्यूर सेरेमनी के दौरान साल 2026 के बचे हुए पद्म पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई दिग्गज मौजूद रहे। इस दौरान देश की कला, सिनेमा और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली कई बड़ी हस्तियों को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से नवाजा गया। मलयालम सिनेमा के मेगास्टार ममूटी इस सेरेमनी के शुरुआती विजेताओं में शामिल रहे, जिन्हें राष्ट्रपति ने पद्म भूषण से सम्मानित किया। इस खास मौके पर ममूटी के साथ उनकी पत्नी सुल्फत, बेटे व एक्टर दुलकर सलमान और बेटी सुरुमी भी मौजूद थीं। वहीं, लंबे समय से हीयरिंग लॉस (सुनने की क्षमता खोने की बीमारी) से जूझ रहीं देश की दिग्गज प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक को भी पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। अलका जब मंच की तरफ बढ़ रही थीं, तो उन्होंने फ्रंट रो में बैठे पीएम नरेंद्र मोदी के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया, जिसके बाद वह स्टेज पर पहुंचीं। पद्म श्री पुरस्कार पाने वालों में तेलुगु अभिनेता मुरली मोहन और राजेंद्र कुमार के साथ-साथ वर्सटाइल एक्टर आर माधवन का नाम भी शामिल रहा। माधवन ने भी अवॉर्ड लेने से पहले पीएम मोदी के पैर छुए, जिसके बाद पीएम ने मुस्कुराते हुए उनसे कुछ बात की और प्यार से उनकी पीठ थपथपाई।

जाकिर खान का नया कॉमेडी शो 'पापा यार' जल्द होगा नेटफ्लिक्स पर रिलीज

» मशहूर कॉमेडियन जाकिर खान का नया विशेष हास्य कार्यक्रम 'पापा यार' जल्द ही ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगा। इस स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने रविवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर इसकी घोषणा की। शो के जारी टीजर में जाकिर खान अपने पिता उस्ताद इस्माइल खान के साथ बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। नेटफ्लिक्स ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''जल्द ही पापा का खास दिन होने वाला है यार। जाकिर खान का 'पापा यार' जल्द आ रहा है, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।'' खान ने भी इस पोस्ट को अपने सोशल मीडिया पर दोबारा साझा किया। जाकिर खान ने हाल में अपने लाइव स्टैंड-अप शो 'पापा यार' से संबंधित दौरे का समापन किया है, जिसकी शुरूआत जून 2025 में हुई थी। इसका आखिरी कार्यक्रम मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें हास्य अभिनेता जॉनी लीवर भी विशेष रूप से शामिल हुए थे। जाकिर खान को भारतीय कॉमेडी इंडस्ट्री में असली और बड़ी पहचान साल 2012 में मिली थी, जब उन्होंने 'कॉमेडी सेंट्रल इंडियाज़ बेस्ट स्टैंड-अप कॉमेडियन' का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

जमीन के विवाद में पंकज त्रिपाठी के भाई पर कुल्हाड़ी से हमला, आरोपी अरेस्ट

» बिहार के गोपालगंज जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और दुखद खबर सामने आई है। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई, विजयेन्द्रनाथ तिवारी पर जमीन के पुराने विवाद को लेकर कथित तौर पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया गया है। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए इस मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह हमला 21 जून को माधोपुर पुलिस स्टेशन के इलाके में बेलसंड तिवारी टोला में जमीन को लेकर हुए विवाद के बाद हुआ। घटना की जानकारी मिलने के बाद, सदर-2 के सब-डिविज़नल पुलिस ऑफ़िसर और माधोपुर स्टेशन हाउस ऑफ़िसर मौके पर पहुँचे और जाँच शुरू की। घायल विजयेन्द्रनाथ तिवारी को पहले गोपालगंज सदर अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत अभी स्थिर और नियंत्रण में है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, सबूत इकट्ठा करने के लिए फ़ॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने हमले में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी और आरोपी के खून से सने कपड़े बरामद कर लिए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबरः 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com